05 – पंचम बी.वाई.एन.एस. परीक्षा

05–01 द्रव्यगुण विज्ञान

सैद्धांतिक – 1 (एक) **अंक – 100** **कालांश – 80**

ज्ञेयांश –

– प्राकृतिक चिकित्सोपयोगी द्रव्यों का परिज्ञान।

– औषध द्रव्यों का द्रव्य रस–गुण–वीर्य–विपाक–प्रभाव एवं कर्म का सामान्य परिचय

– द्रव्यों के नाम पर्याय, द्रव्य संग्रह विधि, द्रव्यों में पायी जाने वाली अशुद्धियां एवं उनका शोधन।

– औषध द्रव्यों के अन्तः बाह्य प्रयोग की विधियां एवं मात्रा का सामान्य ज्ञान।

चिकित्सा में प्रयुक्त निम्नांकित द्रव्यों का परिचय एवं प्रयोग का ज्ञान –

हरीतकी, आमलकी, विभीतक, गुडूची, बिल्ब, ज्योतिष्मती, मधुयष्टि, बाकुची, अशोक, आरग्वध, लवंग, एला, खदिर, यवानी, शतपुष्पा, जीरक, मंजीष्ठ, चंदन–रक्तपीत श्वेत, ब्राह्मी, शंखपुष्पी, शतावरी, अश्वगंधा, सर्पगन्धा, हरिद्रा, रसोंत,

तालीश पत्र, तुलसी, मरिच, पिप्पली, शुण्ठी, जातीफल, अर्जुन, आर्द्रक, घृतकुमारी, रसोन, पलाण्डु, गुग्गुलु, चक्रमर्द, मेथिका, कर्पूर आदि द्रव्यों का ज्ञान।

– जल, दुग्ध, मधु, इक्षु, तैल, मद्य, शूक धान्य, शिम्बी धान्य, शमीधान्य एवं लवण वर्ग के द्रव्यों का सामान्य परिज्ञान।

प्रायोगिक परीक्षा अंक – 100 **कालांश – 40**

– द्रव्यों का परिचय, संग्रहात्मक निबन्ध, उपचार में प्रयोग की विधियों का प्रत्यक्ष कर्माभ्यास।

– मौखिक परीक्षा।

आलोच्य ग्रन्थ –

– द्रव्यगुण हस्तामलक – वैद्य बनवारी लाल मिश्र, द्रव्यगुण विज्ञान – आचार्य प्रियव्रत शर्मा, भावप्रकाश के संदर्भित अंश।

05–02 जल चिकित्सा

सैद्धांतिक – 1 (एक) **अंक – 100** **कालांश – 80**

ज्ञेयांश –

– जल चिकित्सा के विशेष नियम, विभिन्न स्नान – वायु स्नान, रशियन बाथ, टर्किश बाथ, वाष्प स्नान, नाड़ी स्वेद स्नान, वाष्पअवघ्राण, उष्णवायु स्नान, अन्तंग एवं बहिरंग स्नान विधियां, जल स्नान की विभिन्न तकनीक – शीत एवं उष्ण स्नान, जानु कटी उष्ण स्नान, हस्तपाल स्नान, प्राकृतिक स्नान, वर्लपूल स्नान, इमर्शन स्नान, विचिस्प्रे मसाज, नदी एवं समुद्र स्नान, जल चिकित्सा का वेदना शामक प्रभाव, जल चिकित्सा का शोथन प्रभाव, जल चिकित्सा का मूत्रल प्रभाव, जल चिकित्सा का अग्निमांद्ये एवं अम्ल पित्त निवारण प्रभाव, विभिन्न व्याधियों में जल पट्टिकाओं का उपयोग, बस्ति विधि से जलोपचार।

प्रायोगिक परीक्षा **अंक – 100** **कालांश – 60**

– जल एवं मृतिका चिकित्सा का 20 आतुरों पर विभिन्न व्याधियों में प्रयोग परक पंजिका संधारण।

सन्दर्भ ग्रंथ :–

– Baths	:	By S.J. Singh
– My Water Cure	:	By Scbastian Kneipp
– Rational Hydrotherapy	:	By Dr. J.H. Kellogg
– The Healing Clay	:	Michel Abserra
– Our Earth and Cure	:	Raymond Dextroit

05–03 व्यावहारिक प्राकृतिक चिकित्सा विज्ञान

सैद्धांतिक – 1 (एक) अंक – 100 कालांश – 80

ज्ञेयांश –

– प्राकृतिक विधियों से रोगोपचार परिचय एवं महत्व, व्याधि कारक एवं प्राकृतिक पद्धति से निवारण, शारीरिक एवं मानसिक आदतों का महत्व, बस्ति, उपवास, आहार, व्यायाम से स्वास्थ्य रक्षा एवं रोग मुक्ति उपाय, बस्ति, शीतोष्णावचारण, वाष्पस्नान, मृत्तिका, अभ्यंग, सूर्य स्नान, कटिमेहन स्नान, पृष्ठ स्नान, पाद प्रक्षालन, वायु स्नान, स्पंज, जल परिषेकादि विधियों से रोगोपचार परिज्ञानं, अम्लपित्त, विबंध ग्रहणी, प्रवाहिका, संधिवात, गृध्रसी, श्वास, मधुमेह, हद्यरोग, चर्मरोग, अनिद्रा, अवसाद, ग्रीवा–मन्या स्तम्भ, अंश–बाहु स्तम्भादि विकारों का प्राकृतिक विधियों से उपचार प्रबन्ध परिज्ञान, आरोग्य रक्षक प्राकृतिक उपायों का परिचय, जल बस्ति, आंत्र प्रक्षालन, उपवास विधि, प्राकृतिक भोजन – अंकुरित धान्य, तन्तुमय भोजन, सात्त्विकादि आहार प्रयोजन, सूर्य स्नान, कटि स्नान, पाद–हस्त–पृष्ठवंश एवं मेहन स्नान, विश्राम एवं शिथिलीकरण, चंक्रमण विधि एवं प्रकार, मर्दन विधियां एवं प्रभाव, आयुप्रकर्ष जन्य व्याधियों के प्राकृतिक उपाय, प्राकृतिक विधियों से परिवार–नियोजन।

प्रायोगिक परीक्षा अंक – 100 कालांश – 60

– योग प्राकृतिक केन्द्र में आगत आतुरों को प्राकृतिक विधियों से उपचार प्रशिक्षण, विभिन्न रोगोपचारों का प्रत्यक्ष कर्माभ्यास, बीस आतुरों का विवरण पत्र प्रस्तुतीकरण।

संदर्भ ग्रन्थ –

– सी.सी.आर.वाई.एन. का प्रकाशन, प्राकृतिक चिकित्सा विधि – शरद प्रसाद, – Practice of Nature Cure – Henry Lindlhar, प्राकृतिक चिकित्सा – गांधीजी, प्राकृतिक उपचार विधियां – डॉ. राजीव रस्तोगी, मालिश का मर्म – एस. वी. गोविन्दन, रोगों की सरल चिकित्सा – विट्ठल दास मोदी।

05–04 चिकित्सालय प्रबन्धन एवं अनुसंधान विधियाँ

सैद्धांतिक – 1 (एक) अंक – 100 कालांश – 80

ज्ञेयांश –

Section - 1 - Hospital Administrator - The Hospital administrator - Role and Responsibilities Profile of an effective Hospital Administrator.

Section - 2 - Managerial Skills - 1. Planning, 2. Information System, 3. Communication 4. Decision Making, 5. Monitoring Time, 6. Managing Time, 7. Meetings

Section - 3 - Hospital Organisation - 1. Hospital Organisation - Structure and Function 2. Hospital Committees

Section - 4 - The Hospital - 1. Role of Hospital in Health Care, 2. Hospital Planning and design 3. Special Features of Nature cure Hospital, Qualities of Therapist, Hospital Atmosphere, Scientific Attitudes, Awareness of Scope, Limitations of nature cure. 4. Newer Technology in Treatment, Through Naturopathy

Section 5
THE CLINICAL SERVICES & CLINICAL SUPPORTIVE SERVICES
1. The Medical Staff Organization, interaction with patients, 2. Rapiological Services 3. Laboratory Services

Section 6
THE NURSING SERVICES
1. Nursing Service

Section 7
SPECIALISED SERVICE AREAS
1. Casualty services, 2. Disaster, Be prepared, 3. Outpatient Services, 4. Day Care, 5. Diagnostic Services, 6. Medical Records

Section 8
HUMAN RESOURCES
1. Personnel

Section 9
MATERIALS MANAGEMENT

Section 10
FINANCES
1. Finances
2. Activity based costing in Hospital
3. Economics of H.M.

Section 11
QUALITY ASSURANCE
1. Quality Management in our Hospitals

Practicals
1. Visit to the different Hospitals
2. Project work in Planning & Desiging the Hospital

Reference Books

1. Hospital Planning & Administration - Liewellyn Davies Macaulay, H.M.C.
2. Hospital Administration - Francis C.M. & Maria C. Desouza
3. Hospital ward Management - Kusum Samant
4. Text Book of Social & Preventive Medicine - Park. K.
5. Economics of Health care - Martin Green
6. Hospital Planning - Dr. Ashok Sahni
7. Principals of Hospital Administration & Planning - B.M. Sakharkar

अनुसन्धान –

अनुसन्धान विधियां, अनुसन्धान विधि का परिचय, अनुसन्धान की आवश्यकता, अनुसन्धान योजना प्रारूप

1. विश्लेषणात्मक 2. प्रयोगात्मक 3. विवरणात्मक, 4. अनुसन्धान विधि की तकनीक, 5. अनुसन्धान विधि की सांख्यिकी

संदर्भित –

1. मैथोडॉलोजी (Research Methodology of CCRYN) विवेकानन्द योग केन्द्र बैंगलोर की रिसर्च बुक

2. Research book of Vivekanand Kendra, Banglore

05–05 योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा आधारित एक लघु निबन्ध

सैद्धांतिक – 1 (एक) **अंक – 100** **कालांश – 80**

ज्ञेयांश –

– योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के संदर्भों में एक लघुनिबन्ध कम से कम 100 पृष्ठों का छात्र द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा, जिसकी मौखिक परीक्षा एवं मूल्यांकन किया जाकर स्वीकृत/अस्वीकृत परिणाम निर्धारित होगा।

– योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्रों के अवलोकनार्थ एक शैक्षणिक यात्रा की जावेगी।